

देश दर्पण संवाद



— राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक —

हम खबर नहीं, आईना दिखाते हैं

इंदौर, मध्य प्रदेश, सोमवार 12 अक्टूबर 2026, आश्विन शुक्ल पक्ष - द्वितीया 2083 वर्ष - 1, अंक - 05, पृष्ठ - 8, मूल्य - रु 2

खरारखरा

18 कैरेट : ₹1,13,670
22 कैरेट : ₹1,38,930
24 कैरेट : ₹1,51,560

सकारात्मक सोमवाररसर:

प्रिय पाठकों,
सप्रेम नमस्कार! शुभ सोमवार! आज 'देश दर्पण संवाद' का यह पांचवां अंक आपको सौंपते हुए अत्यंत हर्ष हो रहा है। आपके अपार स्नेह व विश्वास ने हमारे संकल्प को और दृढ़ किया है, इसके लिए हम हृदय से आभारी हैं। नवरात्रि की पावन शुरुआत हो चुकी है। माँ दुर्गा का यह महापर्व नई ऊर्जा और सकारात्मकता का प्रतीक है। आइए, इस नवरात्रि हम सब मिलकर एक सशक्त और जागरूक समाज के निर्माण का संकल्प लें। माँ जगदम्बा आपके जीवन में सुख-समृद्धि का संचार करें। शुभकामनाएँ!

शारदीय नवरात्रि का शुभारंभ, देशभर में उत्सव का माहौल



रविवार, 11 अक्टूबर 2026 को शारदीय नवरात्रि का पहला दिन रहा। देशभर के देवी मंदिरों में सुबह से श्रद्धालुओं की कतारें लगीं और घर-घर में कलश स्थापना के साथ मां शैलपुत्री की पूजा की गई। नौ दिनों तक चलने वाला यह पर्व शक्ति की उपासना का प्रतीक है। इस दौरान उत्तर भारत में रामलीला, पश्चिम बंगाल में दुर्गा पूजा और गुजरात में गरबा-डांडिया की रौनक देखने को मिलती है। भक्तों ने व्रत, जागरण और भजन-कीर्तन के साथ पर्व की शुरुआत की। बाजारों में पूजन सामग्री, फल और सजावट के सामान की खरीदारी बढ़ने से कारोबारियों के चेहरे भी खिले हैं। त्योहारी सीजन की यह शुरुआत आस्था, सामाजिक एकता और नई ऊर्जा का संदेश देती है।

अगर आप चाहें तो मैं इसे किसी खास शहर या राज्य के नजरिए से लिख सकता हूँ, या अखबार की शैली में छोटी हेडलाइन और इंट्रो के साथ ढाल सकता हूँ।

सीएम यूथ कॉन्क्लेव में युवाओं के लिए बड़े ऐलान

5 करोड़ का 'आइडिया फंड', फ्री कोचिंग और शोधार्थियों की अनुदान राशि में बंपर इजाफा; वहीं दूसरी ओर जुबिन नौटियाल के शो में व्यवस्थाएं बिगड़ीं, बैरिकेड्स पर चढ़े छात्र।



भोपाल। लाल परेड ग्राउंड से मंगलवार को युवा शक्ति के संकल्प और विकसित मध्यप्रदेश के निर्माण का नया अध्याय लिखा गया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने 'सीएम यूथ कॉन्क्लेव-2026' में करीब 20 हजार युवाओं से सीधा संवाद किया। मुख्यमंत्री ने साल 2027 को 'युवा वर्ष' घोषित करते हुए शिक्षा, रोजगार, स्टार्टअप, और खेलों को लेकर कई ऐतिहासिक और दूरगामी घोषणाएं कीं। फ्रंट पेज के लिए मुख्यमंत्री की घोषणाओं और आयोजन का विस्तृत ब्यौरा इस प्रकार है:

शिक्षा और शोध में बड़ी सौगातें:
12 मेडिकल और 12 स्किल यूनिवर्सिटी: अगले वर्ष 12 नए मेडिकल कॉलेज और रोजगारपरक कोर्सेज के लिए 12 नई स्किल यूनिवर्सिटीज प्रारंभ की जाएंगी।

फ्री कोचिंग और AI लैब्स:
प्रदेश के शासकीय महाविद्यालयों में प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए नि:शुल्क कोचिंग क्लासेस शुरू होंगी। साथ ही, सभी सरकारी कॉलेजों में अत्याधुनिक आर्टिफीशियल इंटेलिजेंस (AI) और एडवांस कम्प्युटिंग लैब स्थापित की जाएंगी। शोधार्थियों को प्रोत्साहन: उच्च शिक्षा में शोध को बढ़ावा देने के लिए शोधार्थियों को मिलने वाली राशि 16 हजार से बढ़ाकर 25 हजार रुपए प्रतिमाह कर दी गई है। इसके अलावा विश्वविद्यालय निधि से 1 करोड़ रुपए का शोध फंड स्थापित किया जाएगा।

छात्राओं को विशेष लाभ:
स्नातकोत्तर (PG) की छात्राओं को अब 'गांव की बेटी' और 'प्रतिभा किरण' योजना के दायरे में शामिल किया जाएगा। रोजगार, स्टार्टअप और कौशल विकास: 5 करोड़ का आइडिया फंड: स्टार्टअप के लिए अच्छे आइडियाज मिलें, इसके लिए 5 करोड़ रुपए का 'आइडिया फंड' बनाने का प्रावधान किया गया है। (इसके पूर्व AI और स्टार्टअप के लिए एक छात्र को ₹5 लाख तक का अनुदान देने की बात भी कही गई थी)।

प्लेसमेंट एजेंसी:
युवाओं के प्लेसमेंट कराने के लिए एक नई एजेंसी नियुक्त की जाएगी। साथ ही, प्रदेश के एक लाख युवाओं को कौशल उन्नयन योजना से जोड़ा जाएगा।

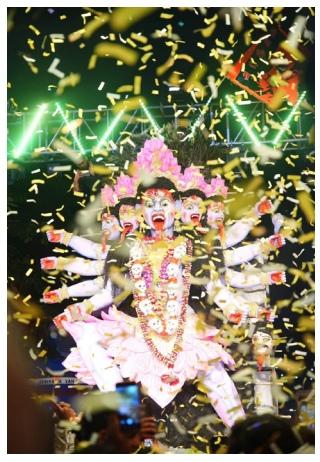
ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट:
निवेश और रोजगार सृजन के लिए प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में वर्ष 2027 में फिर ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट (GIS) का आयोजन होगा।

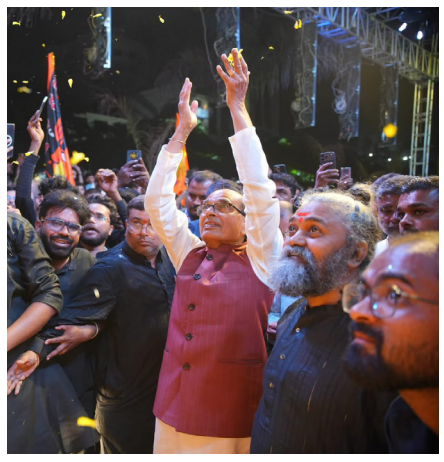
MPPSC परीक्षा: पीएससी की सालाना परीक्षा के अतिरिक्त अब हर वर्ष एक विशेष परीक्षा भी आयोजित की जाएगी, जिससे युवाओं को साल में दो मौके मिलेंगे।

सुविधाएं और अन्य प्रमुख संकल्प:
वर्किंग वुमन हॉस्टल: प्रत्येक संभाग में कामकाजी महिलाओं की सुविधा के लिए हॉस्टल बनाए जाएंगे।
युवा पोर्टल और NSS: युवा वर्ष 2027 के लिए एक विशेष पोर्टल की शुरुआत होगी, जिसमें युवा अपने आइडिया और सुझाव दे सकेंगे, जिन्हें सरकार लागू करेगी।
इसके अलावा राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) की 500 नई ईकाइयां बनाई जाएंगी।
खेल और नशामुक्ति: प्रदेश की सभी 230 विधानसभा सीटों पर खेल मैदान विकसित किए जाएंगे। साथ ही, 2029 तक मध्यप्रदेश और देश को पूरी तरह नशामुक्त करने का लक्ष्य रखा गया है।

ग्राउंड रिपोर्ट की जमीनी हकीकत:
जुबिन नौटियाल के शो में बवाल कॉन्क्लेव में जहां एक ओर भविष्य के संकल्प लिए गए, वहीं कार्यक्रम के अंतिम पड़ाव में भारी हंगामा देखने को मिला। मुख्यमंत्री के संवाद के बाद मशहूर सिंगर जुबिन नौटियाल की परफॉर्मेंस के दौरान भीड़ बेकाबू हो गई। बैरिकेडिंग को लेकर स्टूडेंट्स और पुलिस के बीच तीखी झड़प हुई। कई छात्रों ने बैरिकेड्स पर चढ़कर अंदर जाने की कोशिश की, पुलिस से बहस की और कुर्सियां व धूल फेंकी।

नवरात्रि में भक्ति और भव्यता: सजीं 2000 से अधिक भव्य झांकियां





भोपाल: शारदीय नवरात्र के पावन अवसर पर राजधानी भोपाल पूरी तरह से माता की भक्ति में डूब गई है।
रविवार को चित्रा नक्षत्र में घटस्थापना के साथ ही शहर के 2000 से अधिक स्थानों पर मां दुर्गा की भव्य प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। इस वर्ष की झांकियों में आस्था के साथ-साथ अद्भुत कला, तकनीक और भव्यता का अनूठा संगम देखने को मिल रहा है।
इस बार शहर की झांकियों का स्वरूप और बजट पिछले वर्षों की तुलना में काफी विशाल है, जिनकी लागत 12 लाख से लेकर 1 करोड़ रुपये तक है। सबसे महंगी और भव्य झांकियां बरखेड़ा पठानी और बिट्टन मार्केट क्षेत्र में सजाई गई हैं।
वहीं, नेहरू नगर स्थित करुणाधाम आश्रम की 21 फीट ऊंची पंचमुखी महाकाली 'बड़ी अम्मा' का माता मंदिर चौराहे पर गाजे-बाजे के साथ भव्य स्वागत किया गया, जो श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र बनी हुई हैं।

देश-विदेश के प्रमुख स्थलों की दिखेगी झलक
इस वर्ष शहरवासियों को झांकियों के माध्यम से विश्व और देश के प्रमुख तीर्थों व पर्यटन स्थलों के दर्शन हो रहे हैं:
टीला जमालपुरा: यहाँ 50 फीट ऊंचे 'नियाग्रा फॉल' के बीच थ्री-डी स्वरूप में माता रानी के दर्शन हो रहे हैं।
प्राकृतिक माहौल बनाने के लिए 4000 बांस और वनस्पतियों का उपयोग किया गया है।
अरेरा कॉलोनी (10 नंबर): यहाँ 55 लाख की लागत से दुबई के **'मिरेकल गार्डन'** की मनमोहक छटा बिखेरी गई है, जिसमें देश के कई शहरों से मंगाए गए फूल लगाए गए हैं।
कोटरा (वैशाली नगर): करीब 1 करोड़ रुपये की लागत से यहाँ दुल्हन स्वरूप में माँ की प्रतिमा और 'भूतिया हवेली' की रोमांचक और रहस्यमयी झांकी सजाई गई है।
अन्ना नगर: 65 लाख की लागत से कोलकाता के प्रसिद्ध दक्षिणेश्वर मंदिर की भव्य प्रतिकृति तैयार की गई है।
न्यू मार्केट: यहाँ द्वारका के नागेश्वर धाम और सभी 12 ज्योतिर्लिंगों के मूल स्वरूप के दर्शन होंगे।
विजय मार्केट एवं एमपी नगर: विजय मार्केट में कैंची धाम व कामेश्वर महादेव और एमपी नगर में कैलाश मानसरोवर की सजीव झांकी सजाई गई है। कोलार की सर्वधर्म कॉलोनी में भी मां त्रिपुरसुंदरी का विशाल दरबार सजा है।
इन सभी प्रमुख झांकियों में प्रतिदिन शाम 7 बजे से दर्शन का सिलसिला शुरू हो जाएगा। शहर भर में लाइट-साउंड और आकर्षक सजावट ने उत्सव के उल्लास को दोगुना कर दिया है।

इंदौर में भारत की शानदार जीत: अभिषेक और गेंदबाजों के कमाल से वेस्टइंडीज 14 रन से हारा

इंदौर: होल्कर स्टेडियम में खेले गए रोमांचक टी-20 मुकाबले में भारत ने वेस्टइंडीज को 14 रन से हराया। पहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 223 रनों का विशाल स्कोर खड़ा किया। अभिषेक शर्मा ने पावरप्ले में आतिशी बल्लेबाजी कर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई, जिससे 8 ओवर में ही स्कोर 109/1 पहुंच गया।
बीच के ओवरों में वेस्टइंडीज के रोस्टन चेस ने शानदार गेंदबाजी की, लेकिन प्रिंस यादव द्वारा अंत में बनाए गए महत्वपूर्ण रनों की बदौलत भारतीय टीम 220 के पार पहुंचने में सफल रही।
224 रनों का पीछा करते हुए कैरेबियाई टीम 20 ओवर में 7 विकेट पर 209 रन ही बना सकी। मैदान पर ओस न होने का पूरा फायदा भारतीय गेंदबाजों को मिला। शाई होप जल्दी आउट हुए और शिमरोन हेटमायर भी बड़ी पारी नहीं खेल सके।
मैच के बाद शाई होप ने माना कि पावरप्ले में विकेट खोना हार का कारण रहा और उन्होंने अर्शदीप सिंह की बेहतरीन रिवर्स स्विंग की तारीफ की।
ऑलराउंडर नितीश कुमार रेड्डी ने भी दबाव में शानदार गेंदबाजी कर भारत को जीत दिलाई। इस दौरे पर यह पहली बार है जब किसी टीम ने लक्ष्य का सफलतापूर्वक बचाव किया है।



स्वामित्व योजना में लापरवाही पर मुख्य सचिव सख्त



भोपाल। ग्रामीण इलाकों में संपत्ति का मालिकाना हक दिलाने वाली महत्वाकांक्षी 'स्वामित्व योजना' की कछुआ चाल पर राज्य शासन ने कड़ा रुख अख्तियार कर लिया है।

मुख्य सचिव बर्णवाल ने प्रशासनिक अमले को सख्त लहजे में चेतावनी दी है कि निचले स्तर पर होने वाली लापरवाही अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया है कि यदि मैदानी स्तर पर पटवारी अपना काम ठीक से नहीं करेंगे, तो इसकी सीधी गाज जिले के कलेक्टर पर गिरेगी और उन्हें जवाब-तलब के लिए सीधे भोपाल बुलाया जाएगा।

योजना की उच्च स्तरीय समीक्षा के दौरान मुख्य सचिव ने सभी जिला कलेक्टरों को प्रोग्रेस रिपोर्ट सुधारने के लिए महज 7 दिन का अल्टीमेटम दिया है। सरकार की मंशा है कि ग्रामीणों को उनके आबादी भूखंडों का प्रॉपर्टी कार्ड जल्द से जल्द मिले, ताकि वे अपनी संपत्ति का इस्तेमाल ऋण लेने और अन्य आर्थिक कार्यों में कर सकें।

अक्सर देखा जाता है कि राजस्व विभाग के वरिष्ठ अधिकारी काम में देरी का ठीकरा निचले अमले पर फोड़कर पल्ला झाड़ लेते हैं।

इसी लालफीताशाही पर लगाम कसते हुए मुख्य सचिव ने साफ कर दिया है कि जिले के मुखिया होने के नाते काम करवाने की पूरी जिम्मेदारी कलेक्टर की ही है और 'अमले की लापरवाही' का बहाना अब शासन स्तर पर मान्य नहीं होगा।

शासन के इस सख्त निर्देश के बाद पूरे प्रशासनिक महकमे में हड़कंप मच गया है। मंत्रालय से मिले इस अल्टीमेटम के बाद अब जिलों में कलेक्टरों ने अपने-अपने क्षेत्रों के एसडीएम, तहसीलदार और पटवारियों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है, ताकि तय समय सीमा के भीतर स्वामित्व योजना के आंकड़ों में ठोस सुधार लाकर भोपाल में होने वाली पेशी से बचा जा सके।

महाकाल के दरबार में दिग्गजों का जमावड़ा

● शिवम शुक्ला

उज्जैन: मध्य प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर, उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल और केंद्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम (एमएसएमई) मंत्री जीतन राम मांझी ने शुक्रवार को ज्योतिर्लिंग भगवान श्री महाकालेश्वर के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया।

तीनों शीर्ष नेताओं ने भगवान महाकाल का विशेष पूजन-अर्चन कर विश्व शांति, देश की सुरक्षा तथा समाज में भाईचारा बनाए रखने की मंगल कामना की।

दर्शन के पश्चात विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने मीडिया से चर्चा करते हुए कहा कि उन्हें महाकाल के दर्शन का सौभाग्य मिला है।

उन्होंने भगवान से प्रार्थना की है कि वे सभी को शक्ति, सामर्थ्य और सद्बुद्धि प्रदान करें, ताकि सभी सन्मार्ग पर चलते हुए अपने दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन कर सकें।

वहीं, केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने महाकाल मंदिर परिसर में हुए अभूतपूर्व बदलावों और विकास कार्यों की जमकर तारीफ की। उन्होंने अपने पुराने दौरे को याद करते हुए बताया कि वे करीब 20 साल पहले भी मंदिर आए थे, लेकिन तब की दर्शन व्यवस्था और आज के विकसित स्वरूप में बहुत अंतर है।

मांझी ने इस बात पर विशेष जोर दिया कि महाकाल क्षेत्र अब केवल आस्था का ही नहीं, बल्कि आर्थिक गतिविधियों का भी एक बड़ा केंद्र बन चुका है। उन्होंने कहा कि यहां आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की वजह से छोटे-बड़े व्यापारियों, छायाकारों और पत्रकारों सहित स्थानीय स्तर पर कई लोगों को बड़ा रोजगार मिल रहा है।

इसके साथ ही उन्होंने देश की उन्नति, भारत की सुरक्षा और विशेष रूप से बिहार व गया में भाईचारा बनाए रखने की प्रार्थना की।

इस अवसर पर श्री महाकालेश्वर मंदिर प्रबंध समिति की ओर से सभी अतिथियों का आत्मीय स्वागत किया गया।

सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर का स्वागत-सत्कार किया। वहीं, उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल का स्वागत मूलचंद जूनवाल और मुकेश सोनी ने किया। केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी का भी मंदिर प्रबंध समिति की ओर से विधिवत सम्मान किया गया।



सागर के गांव से निकलकर भोपाल में पेश की मिसाल, 20 हजार युवाओं के रोजगार के सारथी बने अभिषेक अथिया



● प्रकाश त्रिपाठी

भोपाल: सागर जिले के एक छोटे से गांव से निकलकर प्रदेश की राजधानी भोपाल में अपनी पहचान बनाने वाले युवा अभिषेक अथिया आज हजारों बेरोजगार युवाओं के लिए मार्गदर्शन का केंद्र बन गए हैं।

युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से उन्होंने वर्ष 2021 में 'भोपाल जॉब्स' की शुरुआत की थी। आज यह मंच युवाओं तक रोजगार की प्रामाणिक जानकारी पहुंचाने और उन्हें प्रतिष्ठित कंपनियों से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम बन चुका है।

पिछले कुछ वर्षों के आंकड़ों पर गौर करें तो इस पहल के जरिए अब तक बीस हजार से अधिक युवाओं को नि:शुल्क रोजगार के अवसरों से जोड़ा जा चुका है। इसके माध्यम से नए और अनुभवी उम्मीदवारों तक, विभिन्न कंपनियों में मौजूद रिक्त पदों की सटीक जानकारी पहुंचाई जाती है।

रोजगार के क्षेत्र को केवल एक व्यवसाय न मानकर, अभिषेक ने इसे युवाओं की मदद का जरिया बनाया है।

उनका मानना है कि छोटे शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों के युवाओं में प्रतिभा और लगन की कोई कमी नहीं होती, लेकिन सही समय पर उचित मार्गदर्शन और अवसरों की जानकारी न मिल पाने के कारण वे पिछड़ जाते हैं। इसी कमी को पूरा करने के लिए 'भोपाल जॉब्स' युवाओं तक रोजगार संबंधी जानकारी पहुंचा रहा है।

रोजगार सृजन के साथ-साथ अभिषेक युवाओं से जुड़े सामाजिक और सार्वजनिक मुद्दों पर भी सक्रिय रहते हैं। इसी के चलते वे युवा कांग्रेस भोपाल के जिला उपाध्यक्ष के रूप में भी अपनी जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

उनका मुख्य ध्यान युवाओं की बुनियादी समस्याओं के समाधान, रोजगार के नए अवसरों के सृजन और युवाओं की सामाजिक भागीदारी सुनिश्चित करने पर रहता है।

वर्तमान में यह संस्था तकनीकी और संचार माध्यमों का उपयोग कर प्रदेश के कोने-कोने तक रोजगार की जानकारी पहुंचा रही है।

अभिषेक अथिया का लक्ष्य है कि आने वाले समय में मध्य प्रदेश के अधिक से अधिक युवाओं को भविष्य संवारने की सही दिशा दिखाई जाए और उन्हें रोजगार के बेहतर अवसरों से जोड़ा जाए। सागर के एक छोटे से गांव से शुरू हुआ उनका यह सफर आज राजधानी में हजारों युवाओं के सपनों को साकार करने की एक बड़ी मुहिम में बदल चुका है।

एमपी ट्रैवल मार्ट में पर्यटन को लगेंगे पंख, 3729 करोड़ के निवेश प्रस्ताव



भोपाल: कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में आयोजित तीन दिवसीय 'मध्यप्रदेश ट्रैवल मार्ट-2026' के सातवें संस्करण में पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए 3,729 करोड़ रुपए के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए हैं।

ये प्रस्ताव मुख्य रूप से लक्जरी होटलों, वेलनेस रिसॉर्ट्स, गोल्फ कोर्स, वॉटर फ्रंट रिट्रीट और वन्यजीव लॉज के विकास से जुड़े हैं। इन निवेशों से पर्यटन केंद्रों की आतिथ्य क्षमता में वृद्धि होगी, दूरस्थ क्षेत्रों में आधुनिक अधोसंरचना का विस्तार होगा और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

मार्ट में 34 देशों के 100 से अधिक विदेशी टूर ऑपरेटर्स सहित देश के 15 राज्यों के 180 से अधिक स्टेक होल्डर्स ने हिस्सा लिया, जहां 10,263 से अधिक बी2बी बैठकें हुईं।

अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, ऑस्ट्रेलिया और स्पेन सहित विभिन्न देशों से आए प्रतिनिधियों ने प्रदेश की समृद्ध जैव विविधता और स्मारकों का गहन अध्ययन किया।

महिलाओं ने मांगी आजादी, भोपाल में निकला 'वुमन्स सॉलिडेरिटी मार्च'

भोपाल: शहर में महिला सुरक्षा और स्वतंत्रता के मुद्दे को लेकर शनिवार शाम बोट क्लब पर एक अहम पैदल मार्च निकाला गया। 'व्हाय लॉइटर कैंपेन' के तत्वावधान में आयोजित इस 'वुमन्स सॉलिडेरिटी मार्च' ने भारत भवन से वन विहार गेट तक का सफर तय किया। इस दौरान लड़कियों और महिलाओं ने आजादी के नारे लगाए और पोस्टरों के जरिए समाज की बंदिशों का पुरजोर विरोध किया।

प्रमुख मांगें और मुद्दे:

सुरक्षित हों सार्वजनिक स्थान: प्रदर्शनकारियों की मुख्य मांग भोपाल में महिला पुलिस पेट्रोलिंग बढ़ाने की है, ताकि महिलाएं रात के समय भी सार्वजनिक जगहों पर बिना डर के आ-जा सकें और अपनी मौजूदगी दर्ज करा सकें।

सोच बदलने का आह्वान:

मार्च में शामिल महिलाओं ने 'रानी बेटी के कपड़े नहीं, राजा बेटा सोच बदलो', 'औरतें उठीं नहीं तो जुल्म बढ़ता जाएगा' और 'स्त्री आज ही आएगी, अपनी मर्जी से आएगी' जैसे नारों के माध्यम से समाज की संकीर्ण मानसिकता पर प्रहार किया।

पितृसत्ता का विरोध:

प्रदर्शन में युवाओं ने भी हिस्सा लिया। तनिष नामक एक युवक ने स्पष्ट किया कि यह प्रदर्शन लड़कों के खिलाफ नहीं है, बल्कि यह पूरी तरह से पितृसत्तात्मक सोच के खिलाफ एक आवाज है।

इस मार्च के जरिए महिलाओं ने स्पष्ट संदेश दिया है कि वे अपनी मर्जी से और बिना किसी खौफ के अपना जीवन जीना चाहती हैं, जिसके लिए सार्वजनिक सुरक्षा व्यवस्था का मजबूत होना बेहद जरूरी है।



पीएम मोदी के 25 साल, नया मंत्र: 'वी विल डू इट'





गुरुग्राम में गृह मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री ने देश में विकास आधारित 'पॉलिटिक्स ऑफ परफॉर्मेंस' का नया मॉडल स्थापित किया है।

- अमित शाह



रक्षा मंत्री ने गाजियाबाद में कहा कि अपने 25 वर्षों के कार्यकाल (सीएम और पीएम) में मोदी ने राष्ट्र निर्माण के लिए काम करते हुए एक भी दिन की छुट्टी नहीं ली है।

- राजनाथ सिंह



भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि पीएम मोदी ने अपने परिश्रम से विकास, आत्मविश्वास और स्वाभिमान का उजाला फैलाया है।

- नितिन नवीन



शेरिंग तोबगे ने अपने लेख 'एन अवतार फॉर आवर टाइम्स' में मोदी के 25 साल पूरे होने पर उन्हें 'विष्णु का अवतार' बताते हुए उनके बुद्धि, करुणा और साहस के गुणों की प्रशंसा की।

- शेरिंग तोबगे

नई दिल्ली: प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरकार के मुखिया के तौर पर अपने 25 साल पूरे कर लिए हैं। उन्होंने 7 अक्टूबर 2001 को पहली बार गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में कार्यभार संभाला था और 2014 से वह देश के प्रधानमंत्री हैं।

इस अवसर पर दिल्ली में आयोजित 'विकसित भारत संकल्प सभा' में उन्होंने 2047 तक भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने के लिए देशवासियों को 'वी विल डू इट' का नया मंत्र दिया।

इससे पूर्व, उन्होंने नई दिल्ली के श्री विनायक मंदिर में पूजा-अर्चना भी की।

वी विल डू इट' के प्रमुख लक्ष्य:

आत्मनिर्भर और विकसित भारत: पीएम मोदी ने शीर्ष 3 अर्थव्यवस्था, मैन्युफैक्चरिंग हब, अंतरिक्ष में कदम और ओलिंपिक मेजबानी जैसे लक्ष्यों को हासिल करने के लिए दृढ़ संकल्प व्यक्त किया।

चुनौतियां और समाधान: प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत के सामने चुनौतियां जरूर हैं, लेकिन 140 करोड़ नागरिक इसके समाधान भी हैं। उन्होंने पिछले 10 वर्षों में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकालने की अभूतपूर्व उपलब्धि का भी उल्लेख किया।

जातीय बंटवारे पर प्रहार: मोदी ने जातीय बंटवारे को देश के लिए बड़ी चुनौती बताते हुए कहा कि जब खेत में पानी न होने की समस्या सिर्फ एक जाति की नहीं होती, तो समाधान भी सबके लिए समान होना चाहिए।

अनुभव और सीख: अपने 25 साल के सफर को देश की पूंजी बताते हुए पीएम ने कहा कि वह आज भी खुद को विद्यार्थी मानते हैं और हमेशा कुछ नया सीखने की कोशिश करते हैं।

कंटेंट क्रिएटर्स और Gen-Z से नितिन नवीन का संवाद



वाराणसी (काशी)- भारतीय जनता पार्टी के नेता नितिन नवीन ने गुरुवार को काशी विद्यापीठ में 'Gen-Z' छात्र-छात्राओं से सीधा संवाद किया। इस दौरान उन्होंने युवाओं के करियर, डिजिटल भविष्य और राष्ट्र निर्माण से जुड़े कई अहम सवालों के जवाब दिए। युवाओं को संबोधित करते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि देश के युवाओं को बांटने की राजनीति अब नहीं चलेगी और विदेशी घुसपैठियों को किसी भी कीमत पर भारत के युवाओं का हक नहीं लेने दिया जाएगा।

'बदलते यूपी की नई पहचान'

संवाद के दौरान 12 से अधिक विद्यार्थियों ने अपने प्रश्न रखे। एक छात्रा द्वारा कंटेंट क्रिएटर्स और डिजिटल आंत्रप्रेन्योरशिप के भविष्य पर पूछे गए सवाल के जवाब में नितिन नवीन ने कहा कि भारत जल्द ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) का बड़ा हब बनने जा रहा है। उन्होंने उत्तर प्रदेश के विकास का जिक्र करते हुए कहा कि एक समय था जब यूपी की पहचान 'माफिया और हत्या' से होती थी, लेकिन आज यह बदल चुका है।

आज यूपी की पहचान एक्सप्रेस-वे और डिफेंस कॉरिडोर से है, जहां 40 प्रतिशत रोजगार युवाओं को मिल रहा है। इसके साथ ही प्रदेश में लीगल स्टडीज और लॉ स्कूलों को भी बढ़ावा दिया जा रहा है।

'विपक्ष पर साधा कड़ा निशाना'

काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन के बाद मीडिया और युवाओं से बातचीत में उन्होंने विपक्ष पर भी तीखा प्रहार किया। राहुल गांधी और विपक्षी दलों को 'अराजकतावादी मानसिकता' का बताते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि विपक्ष केवल समाज में विष घोलने और घुसपैठियों को संरक्षण देने का काम कर रहा है।

'12 साल में बेदाग रही मोदी सरकार'

2013 के अपने अमेरिका दौरे का संस्मरण साझा करते हुए उन्होंने कहा कि पहले हर दिन देश में घोटालों की खबरें आती थीं। लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 12 सालों में विपक्ष एक भी घोटाले का आरोप नहीं लगा पाया है।

उन्होंने 'लोकल फॉर वोकल' की तर्ज पर कहा कि जो जिस राज्य का है, वहां के संसाधनों पर पहला हक उसका है, लेकिन विदेशी घुसपैठियों के लिए इस देश में कोई जगह नहीं है। नया भारत अब पूरी तरह से विकास और सुनहरे भविष्य की दिशा में आगे बढ़ रहा है।

दिल्ली पुलिस के चक्रव्यूह में फंसा प्रदर्शन: 38 हजार जवान और 10 फीट ऊंचे बैरिकेड्स ने रोका जंतर-मंतर कूच, लीडर्स हिरासत में



दिल्ली: राजधानी दिल्ली में जंतर-मंतर की ओर बढ़ रहे प्रदर्शनकारियों को पुलिस की अभेद्य सुरक्षा व्यवस्था ने रास्ते में ही रोक दिया।

पुलिस ने त्वरित और रणनीतिक कार्रवाई करते हुए प्रदर्शन का नेतृत्व कर रहे प्रमुख नेताओं को हिरासत में ले लिया है। नेतृत्व विहीन होने और सुरक्षाबलों की भारी तैनाती के कारण आंदोलनकारी जंतर-मंतर तक नहीं पहुंच सके और यह प्रदर्शन अपने तय स्थान तक पहुंचने से पहले ही विफल हो गया।

छावनी में तब्दील हुई दिल्ली

कानून-व्यवस्था बनाए रखने और किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए दिल्ली पुलिस ने अभूतपूर्व सुरक्षा इंतजाम किए थे। पूरी दिल्ली में पुलिस और अर्धसैनिक बलों के करीब 38,000 जवानों की तैनाती की गई थी। भीड़ को रोकने के लिए सड़कों पर 10 फीट ऊंचे मजबूत बैरिकेड्स लगाए गए थे, जिन्हें पार करना प्रदर्शनकारियों के लिए पूरी तरह असंभव साबित हुआ।

इन 7 रणनीतियों से पुलिस ने रोका प्रदर्शन:

पुलिस ने इस बड़े प्रदर्शन को विफल करने के लिए एक सुव्यवस्थित रणनीति के तहत काम किया:

बहुस्तरीय सुरक्षा चक्र:

38,000 सुरक्षाकर्मियों की तैनाती कर पूरे इलाके की कड़ी घेराबंदी की गई, जिससे प्रदर्शनकारियों का आगे बढ़ना नामुमकिन हो गया।

अभेद्य बैरिकेडिंग:

मुख्य रास्तों को पूरी तरह ब्लॉक करने के लिए 10 फीट ऊंचे लोहे और सीमेंट के बैरिकेड्स का इस्तेमाल किया गया।

नेताओं की त्वरित धरपकड़:

भीड़ को उग्र होने से रोकने के लिए सबसे पहले आंदोलन के मुख्य लीडर्स को ही हिरासत में ले लिया गया।

बॉर्डर सीलिंग और सघन चेकिंग:

दिल्ली की सीमाओं और मुख्य मार्गों पर वाहनों की कड़ी चेकिंग की गई ताकि बाहर से आ रही भीड़ प्रवेश न कर सके।

खुफिया तंत्र का सटीक इस्तेमाल:

भीड़ के जुटने के संभावित स्थानों की पहले से जानकारी जुटाकर वहां भारी पुलिस बल तैनात किया गया।

रूट डायवर्जन और ट्रैफिक कंट्रोल:

रास्तों को इस तरह डायवर्ट किया गया कि प्रदर्शनकारी एक जगह पर बड़ी संख्या में एकत्रित न हो सकें।

शांतिपूर्ण तरीके से भीड़ नियंत्रण:

बिना किसी भारी बल प्रयोग के, केवल रणनीतिक घेराबंदी और पुलिस की सघन मौजूदगी से भीड़ को तितर-बितर कर दिया गया।

स्थिति फिलहाल नियंत्रण में

पुलिस के आला अधिकारियों का कहना है कि स्थिति पूरी तरह से नियंत्रण में है। एहतियात के तौर पर जंतर-मंतर और आसपास के संवेदनशील इलाकों में अभी भी भारी पुलिस बल तैनात है। हिरासत में लिए गए नेताओं को दिल्ली के अलग-अलग थानों में रखा गया है। इसके साथ ही, आम जनता की सुविधा के लिए यातायात को सुचारू रखने के प्रयास लगातार जारी हैं।

AI के दौर में IT और Digital Marketing का बदलता स्वरूप



अंशुल अग्रवाल

आज हम तकनीक के ऐसे दौर में हैं, जहां Artificial Intelligence यानी AI केवल भविष्य की बात नहीं रह गई है, बल्कि हमारे वर्तमान का हिस्सा बन चुकी है। IT और Digital Marketing जैसे क्षेत्रों में AI ने काम करने के तरीके को तेजी से बदलना शुरू कर दिया है।

मेरे विचार से AI इंसान की जगह लेने से ज्यादा इंसान की क्षमता बढ़ाने वाला माध्यम है। पहले जिन कामों में घंटों लगते थे, उनमें अब AI की मदद से कम समय में बेहतर परिणाम हासिल किए जा सकते हैं।

लेकिन इसका अर्थ यह नहीं है कि मानवीय सोच और रचनात्मकता का महत्व कम हो गया है। बल्कि अब सही सवाल पूछना, सही निर्णय लेना और तकनीक का जिम्मेदारी से उपयोग करना पहले से अधिक महत्वपूर्ण हो गया है।

Digital Marketing में भी बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। आज केवल विज्ञापन चलाना या सोशल मीडिया पर पोस्ट करना पर्याप्त नहीं है।

लोगों के व्यवहार को समझना, सही जानकारी देना और वास्तविक जरूरत के अनुसार संवाद करना ज्यादा महत्वपूर्ण हो गया है।

IT क्षेत्र में आने वाली पीढ़ी के लिए मेरा मानना है कि केवल किसी एक तकनीक को सीखना पर्याप्त नहीं होगा। लगातार सीखने और बदलती तकनीक के साथ खुद को अपडेट रखने की आदत ही सबसे बड़ी ताकत बनेगी।

AI का सही भविष्य वहीं है जहां तकनीक और इंसानी समझ साथ मिलकर काम करें। तकनीक हमें गति दे सकती है, लेकिन दिशा तय करने की जिम्मेदारी आज भी इंसान की ही है।



पंडित रविशंकर शास्त्री

11 अक्टूबर से प्रारंभ शारदीय नवरात्र 20 अक्टूबर को होगा विसर्जन

इस बार हाथी पर सवार होकर आएंगी माता रानी इस प्रकार करें पूजन घटस्थापना व्रत

"शरत्काले महापूजा क्रियते या च वार्षिकी।
तस्यां ममैतन्माहात्म्यं श्रुत्वा भक्तिसमन्वित:॥
सर्वाबाधाविनिर्मुक्तो धनधान्यसुतान्वित:।
मनुष्यो मत्प्रसादेन भविष्यति न संशय:॥"

मंत्र का हिंदी अर्थ:

"शरद ऋतु में जो वार्षिक महापूजा (शारदीय नवरात्रि) की जाती है, उस अवसर पर जो मनुष्य मेरे इस माहात्म्य (दुर्गा सप्तशती) को भक्तिपूर्वक सुनेगा या पाठ करेगा, वह मनुष्य मेरे प्रसाद (कृपा) से सब बाधाओं से मुक्त हो जाएगा और धन, धान्य तथा पुत्र (संतान) से संपन्न होगा—इसमें तनिक भी संदेह नहीं है।"

• माता का आगमन (सवारी): इस बार शारदीय नवरात्रि 11 अक्टूबर 2026 (रविवार) से शुरू हो रही है। रविवार को नवरात्रि आरंभ होने के कारण माता रानी हाथी (गज) पर सवार होकर आएंगी। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, हाथी पर माता का आगमन बहुत शुभ माना जाता है, जो अच्छी वर्षा, बेहतर फसल और सुख-समृद्धि का संकेत देता है।

• माता की विदाई (गमन): विजयादशमी 20 अक्टूबर 2026 (मंगलवार) को है। मंगलवार के दिन विदाई होने के कारण मां दुर्गा मुर्गे (चरणायुध) पर सवार होकर विदा होंगी।

11 अक्टूबर 2026 (रविवार) को शारदीय नवरात्रि की घटस्थापना (कलश स्थापना) के लिए दो मुख्य शुभ मुहूर्त बन रहे हैं:

• **प्रात:काल का शुभ मुहूर्त:** सुबह 06:19 बजे से सुबह 10:12 बजे तक। (यह कलश स्थापना के लिए सबसे उत्तम समय है, जिसकी कुल अवधि लगभग 3 घंटे 52 मिनट की रहेगी)।

• **अभिजीत मुहूर्त (दूसरा श्रेष्ठ विकल्प):** सुबह 11:44 बजे से दोपहर 12:31 बजे तक। (यदि आप सुबह के समय घटस्थापना न कर पाएं, तो इस दोषरहित मुहूर्त में कलश स्थापित कर सकते।

इसके अलावा जो लोग रात्रि साधना करते हैं वह सायं वेला में 5:00 से 7:00 के मध्य प्रदोष वेला में भी घट स्थापना कर सकते हैं।

• **1. कलश और उसके लिए सामग्री**

मिट्टी या तांबे का कलश: पवित्र धातु या शुद्ध मिट्टी का
• लोटा।

साफ मिट्टी: कलश की वेदी बनाने और जौ बोने के
• लिए।

चौड़ा मिट्टी का पात्र (शकोरा): जिसमें मिट्टी रखकर
• जौ बोए जाते हैं।

• जौ (जवारे): वेदी में बोने के लिए साफ जौ।

पवित्र जल: कलश में भरने के लिए गंगाजल और स्वच्छ पानी।

• **2. कलश के अंदर डालने की वस्तुएं**

सिक्का: कलश में डालने के लिए ₹1, ₹2 या ₹5 का
• सिक्का।

• सुपारी: साबुत और साफ सुपारी।

अक्षत: कलश के अंदर और नीचे रखने के लिए हल्दी-
• कुंकुम से रंगे बिना टूटे हुए चावल।

सर्वोषधि और दूर्वा: पूजा की दुकान पर मिलने वाली विशेष औषधियां और हरी दूर्वा घास।

3. कलश के ऊपर की सजावट

• नारियल: पानी वाला जटादार नारियल।

• लाल कपड़ा या चुनरी: नारियल को लपेटने के लिए।

• मौली (कलावे का धागा): कलश के गले और नारियल पर बांधने के लिए।

• आम या अशोक के पत्ते: कलश के मुख पर रखने के लिए 5, 7 या 9 पत्ते।

4. पूजा के लिए रोली और अक्षत

• कुंकुम, रोली और हल्दी: कलश पर स्वास्तिक बनाने के लिए।

• चंदन: पूजन के लिए।

5. दीप और अन्य आवश्यक वस्तुएं

• एक दीपक: कलश के पास जलाने के लिए (देशी घी या तिल के तेल का)।

• धूपबत्ती और माचिस

नवरात्रि के पवित्र नौ दिनों में तन और मन की शुद्धि पर विशेष ध्यान दिया जाता है। शास्त्रों के अनुसार, इन दिनों में माता रानी की कृपा पाने के लिए मनुष्य को सात्विक, संयमित और अनुशासित जीवन जीना चाहिए।

यहाँ मुख्य नियम और आचरण दिए गए हैं, जिनका पालन नवरात्रि में करना चाहिए:

1. शारीरिक और मानसिक शुद्धि

• सात्विक भोजन: इन दिनों पूरी तरह सात्विक भोजन करना चाहिए। प्याज, लहसुन, मांस और मदिरा का सेवन भूलकर भी न करें। जो लोग उपवास नहीं भी रखते, उन्हें भी सात्विक अन्न ही खाना चाहिए।

• क्रोध और कटु वचनों का त्याग: मन को शांत रखें। किसी पर क्रोध न करें, झूठ न बोलें और किसी की निंदा (चुगली) करने से बचें।

• ब्रह्मचर्य का पालन: नवरात्रि में शारीरिक और मानसिक रूप से ब्रह्मचर्य के नियमों का पालन करना अनिवार्य माना गया है।

2. दैनिक दिनचर्या और अनुशासन

• ब्रह्म मुहूर्त में जागना: सूर्योदय से पहले (सुबह 4 से 6 बजे के बीच) उठकर स्नान आदि से निवृत्त हो जाएं। सुबह की पूजा का विशेष महत्व है।

• दिन में सोने से बचें: शास्त्रों के अनुसार, व्रत रखने वाले व्यक्ति को दिन के समय सोने से बचना चाहिए (यदि स्वास्थ्य ठीक न हो, तो छूट है)।

• साफ-सफाई: घर और स्वयं की स्वच्छता का पूरा ध्यान रखें। चमड़े की वस्तुएं (बेल्ट, पर्स, जूते) पहनकर पूजा घर में न जाएं।

3. आध्यात्मिक आचरण

• मंत्र जाप और पाठ: दिन का कुछ समय माता रानी के ध्यान, दुर्गा सप्तशती के पाठ या "ॐ ऐं ह्रीं क्लीं चामुण्डायै विच्चे" मंत्र के जाप में बिताएं।

• अखंड ज्योति की देखभाल: यदि घर में अखंड ज्योति जलाई है, तो घर को कभी भी खाली (सूना) छोड़कर न जाएं। कोई न कोई सदस्य घर पर अवश्य रहना चाहिए।

4. व्यवहार और सेवा

• कन्याओं और महिलाओं का सम्मान: माँ दुर्गा नारी शक्ति का प्रतीक हैं। इसलिए इन दिनों किसी भी महिला या कन्या का अपमान न करें।

• दान-पुण्य: अपनी सामर्थ्य के अनुसार जरूरतमंदों को भोजन, वस्त्र या धन का दान करें।

GeM के 10 साल : युवा भारत के लिए सरकारी कारोबार की 10 सीख

GeM Government e Marketplace
Procurement Reimagined
Efficient • Transparent • Inclusive

Technical Bid Reject हुई? पहले Reason पढ़िए—कहानी शायद अभी खत्म नहीं हुई Representation Window: GeM की वह व्यवस्था जो Seller को अपना पक्ष रखने का अवसर देती है।

प्रदीप सैनी

मान लीजिए किसी युवा Seller ने कई दिनों की तैयारी के बाद GeM पर Bid जमा की। Documents पूरे लगाए, specification मिलाई और फिर Technical Result आया—"Disqualified"

अक्सर नया Seller यहीं सोचता है—"अब अगली Bid देखते हैं।"

लेकिन GeM की एक महत्वपूर्ण व्यवस्था कहती है—पहले Rejection Reason पढ़िए। क्योंकि कई मामलों में Seller को Representation के माध्यम से अपना पक्ष स्पष्ट करने का अवसर मिल सकता है।

पहला मौका—Bid खुलने से पहले

अगर ATC, specification या eligibility की कोई condition स्पष्ट नहीं है, तो Seller निर्धारित समय में Representation दर्ज कर सकता है। यह Buyer से टकराव नहीं, बल्कि clarification का formal रास्ता है। Seller सवाल रख सकता है, Buyer condition स्पष्ट कर सकता है और जरूरत होने पर Bid खुलने से पहले ambiguity दूर की जा सकती है।

यानी GeM पर समझदार Seller सिर्फ Rate नहीं देखता—ATC भी पढ़ता है।

दूसरा मौका—Technical Rejection के बाद अगर Technical Evaluation में Bid disqualify हो जाए, तो Seller rejection reason देखकर Representation कर सकता है।

मान लीजिए Buyer ने लिखा—

"Required Certificate not submitted."

लेकिन वही Certificate आपकी Bid के साथ पहले से मौजूद है। ऐसी स्थिति में Seller संबंधित document और clause का reference देकर पुनर्विचार का अनुरोध कर सकता है। यही Representation की असली उपयोगिता है—evaluation को अधिक transparent और reason-based बनाना।

लेकिन एक जरूरी फर्क समझिए

Representation का मतलब यह नहीं कि deadline के बाद नई Bid तैयार कर ली जाए।

यदि कोई mandatory document लगाया ही नहीं गया था, तो Representation हर कमी को बाद में सुधारने का अधिकार नहीं देता। बेहतर Representation वह है जिसमें सीधे लिखा हो—

Clause Number + Submitted Document + Rejection Reason + स्पष्ट Clarification

उदाहरण:

"आवश्यक प्रमाणपत्र Bid के साथ पहले ही प्रस्तुत किया गया है।

कृपया संबंधित document को पुन: देखने का कष्ट करें।" यवा Seller के लिए इस भाग की असली सीख GeM पर केवल Bid submit करना ही skill नहीं है। Bid की शर्त समझना, rejection reason पढ़ना और सही समय पर professional clarification देना भी उतना ही जरूरी है। GeM केवल खरीद-बिक्री का Portal नहीं, बल्कि पारदर्शी संवाद की भी एक digital व्यवस्था है।

और शायद यही नए उद्यमी के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात है—"Reject" देखकर Bid छोड़ने से पहले यह जरूर देखिए कि कारण क्या है और आपके पास Representation का अवसर है या नहीं।

अगली कड़ी — भाग 6

"ATC में लिखा है... तो क्या हर शर्त माननी ही पड़ेगी?"

Brand, Experience, Certificates और Eligibility—अगले भाग में सीखेंगे Bid की शर्तों को पढ़ने का सही तरीका।

वीआईपी चमक-दमक से दूर, गांव की पगडंडियों से विधानसभा तक पहुंचे कुंवर सिंह टेकाम

जमीन से उठी सियासत, विकास की राह पर धौहनी



● रवि शुक्ला,सीधी

कभी जिस अंचल में विकास का मतलब एक पक्की सड़क, बिजली का एक भी खंभा नहीं दिखता था,मिट्टी तेल और चिमनी से रोशन हुआ करता था,और विद्यालय की इमारत कहीं कहीं हुआ करता था, आज वही धौहनी विधानसभा क्षेत्र बदलती तस्वीर की कहानी कह रहा है।

कुसमी की उन्हीं पगडंडियों से निकलकर राजनीति की मुख्यधारा तक पहुंचे कुंवर सिंह टेकाम आज लगातार चौथी बार क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। उनका राजनीतिक सफर केवल चुनावी जीत का सिलसिला नहीं, बल्कि उस भूगोल की यात्रा भी है, जहां अभाव कभी जीवन का स्थायी हिस्सा हुआ करता था।

कुसमी के कमक्ष माध्यमिक विद्यालय से पढ़ाई पूरी करने के बाद आगे की शिक्षा के लिए उन्हें करीब 40 किलोमीटर दूर मड़वास जाना पड़ा। वहां हाईस्कूल और हायर सेकंडरी की पढ़ाई पूरी की और फिर 80 किलोमीटर दूर सीधी पहुंचकर कॉलेज की शिक्षा हासिल की।

शायद यही वह दौर था, जिसने उन्हें दूरस्थ अंचल की कठिनाइयों को करीब से समझने का अवसर दिया। आज जब वे धौहनी के विकास की बात करते हैं तो उनके सामने केवल आंकड़े नहीं, बल्कि वे रास्ते भी हैं जिन पर कभी उन्हें स्वयं चलना पड़ा था।

चार चुनाव, चार पड़ाव और लंबा राजनीतिक सफर

वर्ष 2008 से विधानसभा चुनाव जीतते आ रहे कुंवर सिंह टेकाम ने 2023 में कांग्रेस प्रत्याशी कमलेश सिंह को पराजित कर चौथी बार विधानसभा में प्रवेश किया। समर्थकों के अनुसार, उनके कार्यकालों में धौहनी क्षेत्र में सड़क, पुल-पुलिया, स्वास्थ्य, शिक्षा, बिजली, पेयजल, संचार तथा प्रशासनिक सुविधाओं के विस्तार से जुड़े कई कार्य हुए हैं।
टेकाम की राजनीति की एक तस्वीर उनके निवास पर लगने वाले जनता दरबार में भी दिखाई देती है। समर्थकों का कहना है कि वे औपचारिक वीआईपी तामझाम से अधिक सीधे संवाद को प्राथमिकता देते हैं। हालांकि विकास कार्यों के दावों का वास्तविक मूल्यांकन उनकी गुणवत्ता, पूर्णता और जनता तक पहुंच के आधार पर ही होना चाहिए।

मझौली से भुईमाड़ तक बढ़ीं प्रशासनिक सुविधाएं
धौहनी विधानसभा क्षेत्र में प्रशासनिक और न्यायिक सुविधाओं के विस्तार के तहत मझौली में नवीन एडीजे कोर्ट की स्वीकृति, जबकि भुईमाड़ और पोंड़ी में उप तहसील के संचालन की जानकारी सामने आती है। पोंड़ी में उप तहसील भवन का निर्माण भी प्रगतिरत बताया गया है। इन सुविधाओं का महत्व उस ग्रामीण आबादी के लिए अधिक है, जिसे राजस्व और न्यायिक कार्यों के लिए पहले लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी। विकास का एक अर्थ यह भी है कि शासन की चौखट धीरे-धीरे गांव के करीब पहुंचे।

बैंक और डाकघर गांवों की ओर
चौहानन टोला और दादर-पथरौला में नवीन वी-पैक्स समितियों के संचालन के साथ टिकरी, नौढ़िया और उमरिया-मझौली में बैंकिंग सुविधाओं के विस्तार का दावा किया गया है। यूनियन बैंक और भारतीय स्टेट बैंक की नई शाखाओं के साथ निवास और कुसमी में नए डाकघरों की स्वीकृति को ग्रामीण अर्थव्यवस्था के लिए महत्वपूर्ण विस्तार के रूप में देखा जा रहा है।

सड़कें बनीं तो दूरियां भी घटने लगीं
किसी भी दूरस्थ विधानसभा की विकास गाथा में सड़कें सबसे प्रमुख अध्याय होती हैं। धौहनी में 95.80 किलोमीटर से अधिक नई सड़कों की स्वीकृति का उल्लेख किया गया है। सीधी-टिकरी-मड़वास-पथरौला फोरलेन, तिलवारी - हर्दी - जनकपुर राज्य मार्ग और महाखोर - कुसमी मार्ग जैसी परियोजनाएं इसमें शामिल हैं।
गोपद और महान सहित विभिन्न नदियों पर 10 से अधिक पुल एवं रपटों के निर्माण का भी उल्लेख है। वहीं प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत कुसमी और मझौली तहसील में 101 नई सड़कों को मंजूरी मिलने की जानकारी दी गई है। सड़क केवल डामर और गिट्टी का विस्तार नहीं होती। वह बाजार तक पहुंच है, अस्पताल तक जाने का रास्ता है, विद्यार्थी की स्कूल तक पहुंच है और किसान की उपज को मंडी तक ले जाने की उम्मीद भी।

स्वास्थ्य के नक्शे पर भी बढ़ा दायरा
मझौली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र को 50 बिस्तरों में उन्नत किया गया है। कुसमी और निवास में स्वास्थ्य भवनों का निर्माण हुआ है, जबकि पथरौला, गिजवार, उमरिया, जूरी और लुरघुटी सहित कई स्थानों पर स्वास्थ्य केंद्रों के निर्माण कार्य चल रहे हैं। क्षेत्र के 20 से अधिक उप स्वास्थ्य केंद्रों के उन्नयन तथा कुसमी में पैथोलॉजी भवन की सुविधा का भी उल्लेख किया गया है। दूरस्थ अंचल में स्वास्थ्य सुविधा की असली परीक्षा उस समय होती है, जब किसी ग्रामीण को बीमारी के बीच कई किलोमीटर का सफर तय न करना पड़े।

बिजली और नेटवर्क ने बदली गांवों की तस्वीर
मड़वास में 132 केवीए सब स्टेशन तथा विभिन्न गांवों में 33/11 केवीए सब स्टेशन, कृषि फीडर और विद्युतीकरण के कार्यों का उल्लेख है। प्रधानमंत्री जनमन और आरडीएसएस जैसी योजनाओं के तहत बैगा बहुल और दूरस्थ गांवों में बिजली पहुंचाने के प्रयास किए गए हैं।
इसी तरह 19 नेटवर्क विहीन गांवों में मोबाइल टावर स्थापित किए जाने की जानकारी है। पुरइनडोल, बेलगांव, अमरोला और भुईमाड़ जैसे गांवों का मोबाइल नेटवर्क से जुड़ना बदलते समय की एक नई जरूरत को पूरा करता है। आज संचार भी विकास की बुनियादी जरूरतों में शामिल हो चुका है।

पानी की चिंता से योजनाओं तक
धौहनी के ग्रामीण जीवन में पेयजल हमेशा महत्वपूर्ण सवाल रहा है। क्षेत्र में 4769 हैंडपंपों के उत्खनन का उल्लेख किया गया है। बनास नदी आधारित 116 करोड़ रुपये की पेयजल योजना से 26 गांवों को पानी उपलब्ध कराने की जानकारी दी गई है। जल जीवन मिशन के तहत 360 करोड़ और 800 करोड़ रुपये की योजनाओं पर काम चलने तथा 280 से अधिक गांवों तक पेयजल पहुंचाने का लक्ष्य बताया गया है। इन योजनाओं की सफलता का अंतिम पैमाना यही होगा कि गर्मियों में ग्रामीण परिवारों के सामने पानी के लिए लंबी कतारें कितनी कम होती हैं।

शिक्षा: वह दर्द जिसे टेकाम ने खुद महसूस किया
कुंवर सिंह टेकाम की व्यक्तिगत शैक्षणिक यात्रा और धौहनी के शिक्षा क्षेत्र की तस्वीर में एक दिलचस्प समानता दिखाई देती है। कभी आगे की पढ़ाई के लिए उन्हें 40 किलोमीटर दूर जाना पड़ा था। आज विधानसभा क्षेत्र में स्कूलों के उन्नयन और भवन विस्तार किया गया।
कई माध्यमिक विद्यालयों को हाईस्कूल और हाईस्कूलों को हायर सेकंडरी स्तर पर उन्नत किए जाने की जानकारी है। मड़वास में महाविद्यालय का संचालन भी शिक्षा के विस्तार की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया गया है, जहां कला, वाणिज्य और विज्ञान संकायों की पढ़ाई उपलब्ध है।
मझौली, भुईमाड़, निवास सहित विभिन्न क्षेत्रों में स्कूल भवनों और शैक्षणिक सुविधाओं के विस्तार के कार्य भी किए गए हैं।

खेल और ग्रामीण संस्थाओं को भी मिला विस्तार
मझौली, मड़वास और कुसमी में खेल स्टेडियमों का निर्माण, जनपद पंचायत, ग्राम पंचायत और सामुदायिक भवनों के निर्माण तथा डांगा में आजीविका भवन जैसे कार्य ग्रामीण विकास की दूसरी तस्वीर सामने रखते हैं। हाल ही में मझौली जनपद पंचायत के नए हाईटेक भवन का भूमि पूजन भी किया गया।

प्रदेश प्रवक्ता की नई जिम्मेदारी
अप्रैल 2026 में भाजपा मध्य प्रदेश संगठन ने कुंवर सिंह टेकाम को प्रदेश प्रवक्ता की जिम्मेदारी सौंपी। लंबे राजनीतिक अनुभव और संगठनात्मक सक्रियता को देखते हुए उन्हें यह दायित्व मिलने की जानकारी है। इस जिम्मेदारी के साथ उनका राजनीतिक दायरा विधानसभा से आगे प्रदेश संगठन तक पहुंचा है।

नौकरी से संगठन और फिर विधानसभा तक

कुंवर सिंह टेकाम का सार्वजनिक जीवन केवल विधानसभा की राजनीति से शुरू नहीं हुआ। उपलब्ध विवरण के अनुसार वर्ष 1983 से 2003 तक उन्होंने नौकरी की और इसी दौर में श्रमिक तथा जनजातीय मुद्दों से जुड़े संगठनों में सक्रिय रहे। वर्ष 1983 में वे भारतीय कोयला खदान श्रमिक संघ, सीडब्ल्यूएस जयंत, सिंगरौली में कार्यकारी सदस्य रहे। बाद में संगठन में विभिन्न दायित्व संभालते हुए 1992 में अध्यक्ष बने। विस्थापित जनजातीय श्रमिकों के पुनर्वास और पुनर्स्थापन के मुद्दों से भी उनका जुड़ाव रहा। वर्ष 1999 में वे विद्या भारती से संबद्ध सरस्वती शिक्षा परिषद एवं सरस्वती शिशु मंदिरों की प्रबंध समिति से जुड़े। वर्ष 2000 में दूरसंचार सलाहकार समिति, जिला सिंगरौली के सदस्य बने। इसके साथ ही जिला सीधी आदिवासी विकास परिषद, ग्रामीण विकास मंत्रालय की जिला स्तरीय समिति और अखिल भारतीय आदिवासी विकास परिषद से भी जुड़े रहे। वर्ष 2004 से 2007 तक राष्ट्रीय अनुसूचित जनजाति आयोग में कैबिनेट मंत्री स्तर के अध्यक्ष के रूप में कार्य करने का उल्लेख मिलता है। वर्ष 2007 में उन्होंने सीधी संसदीय क्षेत्र के लोकसभा उपचुनाव में भाजपा प्रत्याशी के रूप में चुनाव लड़ा। भाजपा अनुसूचित जनजाति मोर्चा, मध्य प्रदेश में भी उन्होंने दायित्व संभाला। वर्ष 2010 से 2012 तक प्रदेश महामंत्री की जिम्मेदारी संभालने के बाद उनका राजनीतिक सफर धौहनी विधानसभा की ओर बढ़ा और वर्ष 2008 से लगातार चार बार विधायक चुने गए।

विकास की कहानी अभी अधूरी है
धौहनी की कहानी को केवल एक विधायक के राजनीतिक सफर से नहीं पढ़ा जा सकता। यह उस क्षेत्र की कहानी भी है जो वर्षों से सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा और स्वास्थ्य जैसी बुनियादी जरूरतों के लिए संघर्ष करता रहा है।
कुंवर सिंह टेकाम की चार चुनावी जीत उनके राजनीतिक सफर का एक पक्ष है, जबकि सड़क, स्कूल, अस्पताल, बिजली, पानी और प्रशासनिक सुविधाओं का विस्तार दूसरा पक्ष।
कुसमी की उन पगडंडियों से विधानसभा तक पहुंचा यह सफर बताता है कि राजनीति का रास्ता केवल सत्ता के गलियारों से नहीं गुजरता। कभी-कभी वह उन्हीं धूल भरी राहों से होकर आता है, जहां विकास की पहली जरूरत एक सड़क होती है और पहली उम्मीद– एक रोशनी का खंभा।



फैक्ट फाइल

2008 से 2023 तक लगातार विधानसभा में प्रतिनिधित्व
2008: कांग्रेस के तिलकराज सिंह को 38,120 मतों से हराया।
2013: तिलकराज सिंह को 19,001 मतों से पराजित किया।
2018: कांग्रेस के कमलेश सिंह को 3,793 मतों से हराया।
2023: कमलेश सिंह को 3,321 मतों से पराजित कर चौथी बार विधायक बने।

249 रन भी पड़े कम: भारतीय गेंदबाजों की शर्मनाक पिटाई, जानिए रांची में आखिर कहां हुई चूक



रांची : झारखंड के रांची स्थित जेएससीए (झारखंड राज्य क्रिकेट संघ) स्टेडियम में 249 रन का विशाल स्कोर बनाने के बावजूद भारतीय टीम को वेस्टइंडीज के हाथों करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा। बीस ओवर वाले क्रिकेट प्रारूप के इतिहास में 250 रन का लक्ष्य हासिल करना एक अप्रत्याशित घटना है।

इस शर्मनाक हार की सबसे बड़ी वजह भारतीय गेंदबाजी आक्रमण का पूरी तरह से पस्त होना रहा, जहां मेहमान टीम के कप्तान शे होप और अन्य कैरेबियाई बल्लेबाजों ने भारतीय गेंदबाजों की जमकर धुनाई की।

अब सबसे बड़ा सवाल यह उठता है कि आखिर इतनी बड़ी चूक कहां हुई। 250 रनों का बचाव करते समय गेंदबाजों को सिर्फ अनुशासित दिशा और टप्पे की जरूरत थी, लेकिन भारतीय तेज और फिरकी, दोनों आक्रमण पूरी तरह विफल रहे। गेंदबाजों ने लगातार बल्लेबाजों के रडार में ऐसी गेंदें फेंकी जिन पर आसानी से छक्के जड़े गए।

इसके अलावा रांची में दूसरी पारी के दौरान भारी ओस गिरने से मैदान और गेंद पूरी तरह गीले हो गए।

इस वजह से फिरकी गेंदबाजों को गेंद पर पकड़ बनाने में भारी परेशानी हुई और उन्हें पिच से कोई घुमाव नहीं मिला।

तेज गेंदबाजों के हाथ से भी गेंद फिसल रही थी, जिससे पैरों पर सटीक गेंदें (यॉर्कर) फेंकना लगभग असंभव हो गया।

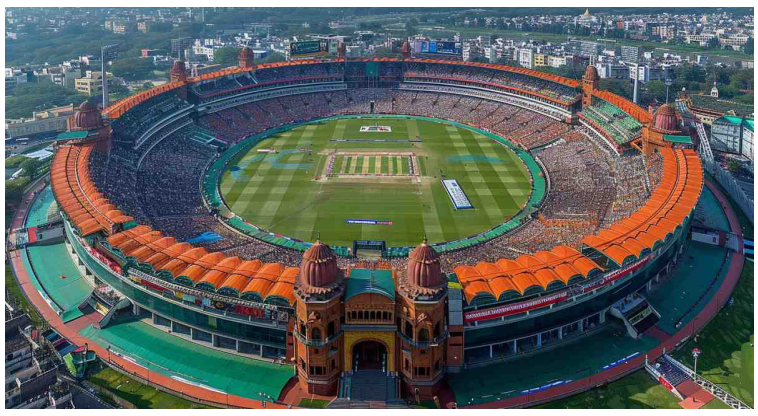
गेंदबाजी के अलावा क्षेत्ररक्षण में भी भारी खामियां देखने को मिलीं। इतने बड़े लक्ष्य का बचाव करते समय एक-एक रन बचाना और कैच लपकना बेहद अहम होता है, लेकिन भारतीय टीम का क्षेत्ररक्षण बेहद साधारण और लचर रहा।

दबाव के क्षणों में अहम कैच टपकाए गए और सीमा रेखा पर खराब क्षेत्ररक्षण ने वेस्टइंडीज के बल्लेबाजों का काम और भी आसान कर दिया। लक्ष्य का पीछा करते समय अगर लगातार विकेट गिरते रहें, तो 250 रन बनाना नामुमकिन होता है। लेकिन भारतीय गेंदबाज मध्य ओवरों (7वें से 15वें ओवर के बीच) में साझेदारी तोड़ने में पूरी तरह नाकाम रहे। विकेट हाथ में होने की वजह से कैरेबियाई बल्लेबाजों ने बिना किसी खौफ के हर ओवर में बड़े और आक्रामक प्रहार किए। वेस्टइंडीज के कप्तान शे होप ने क्रीज पर आते ही भारतीय रणनीति को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया।

उन्होंने गेंदबाजों को जमने का कोई मौका ही नहीं दिया और शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपना लिया। उनकी जिम्मेदारी भरी शतकीय पारी ने भारतीय खेमे को मानसिक रूप से इतना पीछे धकेल दिया कि कप्तान को भी क्षेत्ररक्षण सजाने में कुछ समझ नहीं आ रहा था।

घरेलू मैदान और परिचित परिस्थितियों के बावजूद इतने बड़े स्कोर का बचाव न कर पाना यह साबित करता है कि ओस और दबाव जैसी विपरीत स्थितियों से निपटने के लिए भारतीय टीम के पास कोई वैकल्पिक योजना नहीं थी।

अरुण जेटली स्टेडियम में मरम्मत, 13 दिसंबर का भारत-श्रीलंका वनडे दिल्ली से बाहर



● मयंक आनंद

नई दिल्ली: मरम्मत कार्य के कारण अरुण जेटली स्टेडियम 13 दिसंबर 2026 को भारत और श्रीलंका के बीच होने वाले डे-नाइट वनडे की मेज़बानी नहीं करेगा।

यह वही मैदान है जहाँ अक्टूबर 2025 में भारत और वेस्टइंडीज़ के बीच आख़िरी पुरुष टेस्ट खेला गया था। राजधानी के क्रिकेट प्रेमियों के लिए यह बड़ा झटका है। असर केवल अंतरराष्ट्रीय मैच तक सीमित नहीं है। स्टेडियम बंद रहने से रणजी ट्रॉफी में दिल्ली के गुजरात, सर्विसेज़ और महाराष्ट्र के खिलाफ़ घरेलू मुकाबले, साथ ही महिला और जूनियर प्रतियोगिताएँ भी प्रभावित होंगी।

इस दौरान मेज़बानी की ज़िम्मेदारी पालम और जामिया मिलिया के मैदान साझा करेंगे।

दिल्ली का घरेलू सत्र 18 अक्टूबर को पालम ग्राउंड पर गुजरात के खिलाफ़ रणजी मैच से शुरू होगा। जामिया का मैदान आख़िरी बार फरवरी 2024 में दिल्ली और ओडिशा के रणजी मैच की मेज़बानी कर चुका है।

दिल्ली से फॉलो-अप के लिए: डीडीसीए से पूछा जा सकता है कि मरम्मत कब तक चलेगी और श्रीलंका वनडे अब किस शहर में होगा।

मनोरंजनम्

'दृश्यम 3: द कन्क्लूज़न' ने तोड़े अजय देवगन के सारे रिकॉर्ड



नई दिल्ली।

अजय देवगन की फ़िल्म 'दृश्यम 3: द कन्क्लूज़न' इस समय भारतीय मनोरंजन जगत की सबसे बड़ी ख़बर है। अभिषेक पाठक के निर्देशन में बनी यह क्राइम थ्रिलर गांधी जयंती के मौके पर 2 अक्टूबर को दुनियाभर में रिलीज़ हुई।

शानदार ओपनिंग

पहले ही दिन फ़िल्म ने भारत में लगभग 66.75 करोड़ रुपये नेट कमाए और यह अजय देवगन के करियर की सबसे बड़ी ओपनिंग बन गई। इसने सिंघम अगेन, गोलमाल अगेन और दृश्यम 2 जैसी उनकी पुरानी फ़िल्मों के पहले दिन के आँकड़ों को पीछे छोड़ दिया।

पहले वीकेंड में रिकॉर्ड

रविवार को कमाई घटने के बजाय बढ़ी और तीन दिन में भारत का नेट कलेक्शन 176.50 करोड़ रुपये पहुँच गया। यह इस साल किसी हिंदी फ़िल्म का दूसरा सबसे बड़ा ओपनिंग वीकेंड है।

दृश्यम 2 को टक्कर

छठे दिन तक भारत में नेट कमाई 232.50 करोड़ रुपये हो चुकी थी और फ़िल्म दुनियाभर में 360 करोड़ रुपये का आँकड़ा पार कर गई। तुलना के लिए, दृश्यम 2 ने अपने पूरे थिएट्रिकल रन में दुनियाभर में 342 करोड़ रुपये कमाए थे। यानी तीसरी किस्त ने एक हफ़्ते से भी कम समय में दूसरी किस्त की पूरी कमाई पार कर ली।

दूसरी फ़िल्मों पर असर

फ़िल्म की ज़बरदस्त रफ़्तार का असर बाकी रिलीज़ पर भी पड़ा। आयुष्मान खुराना और सारा अली ख़ान की 'उड़ता तीर' की रिलीज़ टकराव से बचने के लिए आगे बढ़ा दी गई। इससे साफ़ है कि बड़े सितारे और बड़ी फ़्रेंचाइज़ी आज भी बॉक्स ऑफ़िस का रुख़ तय करती हैं।

क्यों है यह अहम?

इसके अलावा, अगले हफ़्ते कोई बड़ी फ़िल्म नहीं आ रही, इसलिए इसे दूसरे हफ़्ते में भी खुला मैदान मिलेगा। यह सफलता ऐसे समय में आई है जब हिंदी सिनेमा को बड़े हिट्स की तलाश थी। कहानी, सस्पेंस और किरदार पर टिकी फ़िल्में अब भी दर्शकों को सिनेमाघर तक खींच सकती हैं, और 'दृश्यम' की यह जीत इसी का सबूत है।

कमल हासन के 'भारत किसी का गुलाम नहीं' बयान पर कंगना का तंज, एलन मस्क को दिया करारा जवाब



नई दिल्ली।

अपनी बेबाक बयानबाजी के लिए मशहूर अभिनेत्री और भाजपा सांसद कंगना रनोट ने एक बार फिर सोशल मीडिया पर तीखी प्रतिक्रिया दी है।

इस बार उनके निशाने पर टेस्ला के सीईओ और दुनिया के सबसे अमीर अरबपति एलन मस्क हैं।

दिग्गज अभिनेता कमल हासन के हालिया बयान के बाद कंगना ने मस्क पर निशाना साधते हुए कहा है कि यह बात उन्हें जरूर चुभ गई होगी। दरअसल, हाल ही में कमल हासन ने एक कड़ा बयान देते हुए कहा था कि **"भारत किसी का गुलाम नहीं है।"**

इस बयान ने इंटरनेट पर काफी सुर्खियां बटोरीं। इसी बयान का संदर्भ लेते हुए कंगना रनोट ने सोशल मीडिया पर एलन मस्क को आड़े हाथों लिया और लिखा- **"यह तो चुभ गया होगा।"**

कंगना का यह सीधा प्रहार उन विदेशी हस्तियों और आलोचकों की तरफ माना जा रहा है, जो अक्सर भारत के आंतरिक मामलों या नीतियों पर अपनी राय थोपने की कोशिश करते हैं।

कंगना ने अपने इस तंज के जरिए स्पष्ट कर दिया है कि नए भारत के नागरिक अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर किसी की भी बेजा दखलअंदाजी बर्दाश्त नहीं करेंगे।

सोशल मीडिया पर कंगना का यह बयान अब तेजी से वायरल हो रहा है और लोग उनके इस बेबाक अंदाज पर अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

नेतन्याहू के खिलाफ अरेस्ट वारंट से भड़का अमेरिका



नई दिल्ली: इजराइल-हमास संघर्ष के बीच अंतरराष्ट्रीय स्तर पर एक नया कूटनीतिक और कानूनी टकराव शुरू हो गया है।

इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के खिलाफ अरेस्ट वारंट की कार्यवाही से नाराज अमेरिका ने इंटरनेशनल क्रिमिनल कोर्ट (ICC) पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए हैं।

इसके साथ ही, अमेरिका के शीर्ष नेताओं ने आईसीसी के अस्तित्व को लेकर ही गंभीर चेतावनी दे डाली है।

मार्को रुबियो की दो-टूक: "धमकी देना बंद करे कोर्ट"

इस मामले में अमेरिकी सीनेटर मार्को रुबियो का बयान सबसे अधिक चर्चा का विषय बना हुआ है। रुबियो ने आईसीसी को आक्रामक लहजे में चेतावनी देते हुए कहा है कि कोर्ट अमेरिका और उसके सहयोगियों को 'धमकी देना बंद करे', अन्यथा उसे खत्म कर दिया जाएगा। अमेरिकी नेतृत्व का यह बयान स्पष्ट संकेत है कि वाशिंगटन किसी भी अंतरराष्ट्रीय संस्था द्वारा अपने सबसे करीबी सहयोगी इजराइल के शीर्ष नेतृत्व को कटघरे में खड़ा करने की कोशिशों को बर्दाश्त नहीं करेगा।

विवाद की असली वजह

यह पूरा विवाद तब गहराया, जब आईसीसी के मुख्य अभियोजक ने गाजा में चल रहे युद्ध को लेकर इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और उनके तत्कालीन रक्षा मंत्री के साथ-साथ हमास के नेताओं के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने की मांग की। अमेरिका ने इस कदम का पुरजोर विरोध किया है। अमेरिकी प्रशासन का तर्क है कि इजराइल आईसीसी का सदस्य देश नहीं है, इसलिए कोर्ट के पास इस मामले में कोई अधिकार क्षेत्र (Jurisdiction) नहीं है। इसके अलावा, एक लोकतांत्रिक रूप से चुनी गई सरकार के नेताओं की तुलना हमास जैसे संगठन के नेताओं के साथ करना वाशिंगटन के लिए पूरी तरह अस्वीकार्य है।

प्रतिबंधों का असर

अमेरिका द्वारा लगाए गए इन प्रतिबंधों के निशाने पर आईसीसी के वे अधिकारी और जांचकर्ता होंगे, जो इजराइल या अमेरिकी नागरिकों के खिलाफ मामलों की जांच कर रहे हैं।

इन प्रतिबंधों के तहत संबंधित अधिकारियों के अमेरिकी वीजा रद्द किए जा सकते हैं और अमेरिका में मौजूद उनकी किसी भी संपत्ति को फ्रीज किया जा सकता है। यह कदम आईसीसी के कामकाज और उसके अधिकारियों की अंतरराष्ट्रीय आवाजाही पर गहरा असर डालेगा।

अंतरराष्ट्रीय न्याय व्यवस्था पर सवाल

यह घटनाक्रम वैश्विक कूटनीति के लिए एक अहम मोड़ है। एक तरफ आईसीसी अंतरराष्ट्रीय युद्ध अपराधों पर जवाबदेही तय करने का प्रयास कर रहा है, वहीं दूसरी तरफ अमेरिका का यह सख्त कदम साफ करता है कि वह अपने सहयोगियों की कूटनीतिक ढाल बनकर खड़ा है। अब यह देखना होगा कि अमेरिका के इस भारी दबाव के बाद आईसीसी अपने कदम पीछे खींचता है, या फिर अंतरराष्ट्रीय न्याय व्यवस्था और दुनिया की सबसे बड़ी महाशक्ति के बीच यह टकराव आने वाले दिनों में और गहराएगा।

फ्लोरिडा में 'इसायस' तूफान का कहर: 170 किमी/घंटे की रफ्तार से चली हवाओं से 9 लाख घरों की बिजली गुल



नई दिल्ली: अमेरिका के फ्लोरिडा तट पर इस सप्ताह 'इसायस' तूफान ने भारी तबाही मचाई। तटीय इलाकों से टकराने के दौरान तूफान की तीव्रता इतनी अधिक थी कि 170 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलीं।

इस भयंकर प्राकृतिक आपदा के कारण राज्य में जनजीवन बुरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया है। तूफानी हवाओं के चलते बुनियादी ढांचे को भारी नुकसान पहुंचा, जिससे पूरे फ्लोरिडा में लगभग 9 लाख घरों की बिजली गुल हो गई। अंधेरे में रहने को मजबूर लोगों की मदद के लिए स्थानीय प्रशासन और आपातकालीन विभाग प्रभावित इलाकों में राहत कार्य चलाने के साथ-साथ बिजली आपूर्ति बहाल करने के युद्धस्तर पर प्रयास कर रहे हैं।

व्यापार:-व्यवसाय:

व्यापारियों को बड़ी राहत: 5 करोड़ से कम की GST गड़बड़ी पर अब नहीं होगी गिरफ्तारी



नई दिल्ली। छोटे और मंझोले कारोबारियों के लिए एक बेहद राहत भरी खबर है। अब व्यापार में होने वाली छोटी-मोटी टैक्स गड़बड़ियों के लिए गुड्स एंड सर्विसेज टैक्स (GST) के अधिकारियों को व्यापारियों को गिरफ्तार करने का अधिकार नहीं होगा। सरकार ने 'ईज ऑफ डूइंग बिजनेस' यानी व्यापार को आसान बनाने और व्यापारियों के मन से खौफ निकालने के लिए नियमों में यह अहम बदलाव किया है।

5 करोड़ तक की गड़बड़ी पर सिर्फ जुर्माना

अक्सर व्यापारी इस बात से डरे रहते थे कि हिसाब-किताब में हुई किसी छोटी सी चूक पर भी अधिकारी उन्हें गिरफ्तारी का डर दिखा सकते हैं। लेकिन नए नियमों ने स्थिति बिल्कुल साफ कर दी है।

अब अगर किसी व्यापारी के खातों में 5 करोड़ रुपए से कम की जीएसटी चोरी या गड़बड़ी पाई जाती है, तो उसे किसी भी हाल में गिरफ्तार नहीं किया जा सकेगा। ऐसे मामलों में विभाग केवल जुर्माना (पेनल्टी) लगाकर कार्रवाई पूरी करेगा। इससे व्यापारियों को बेवजह की कानूनी और मानसिक परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा।

10 हजार से कम के मामले में नोटिस भी नहीं

सरकार ने छोटे दुकानदारों और व्यापारियों को रोजमर्रा की दिक्कतों से बचाने के लिए एक और बड़ी छूट दी है। अगर टैक्स में गड़बड़ी या चोरी की रकम 10,000 रुपए से कम है, तो जीएसटी विभाग की तरफ से व्यापारी को कोई नोटिस तक नहीं भेजा जाएगा।

यानी, अब छोटी-मोटी लिपिकीय गलतियों (क्लर्किकल मिस्टेक) या मामूली अंतर पर विभाग की तरफ से कोई डराने वाला लेटर आपकी दुकान या घर नहीं आएगा।

इंडिया मोबाइल कांग्रेस 2026: "सर्विस नेशन" से "प्रोडक्ट नेशन" बनने का भारत का दावा





● कार्तिका गोठवाल

नई दिल्ली। द्वारका के यशोभूमि में चार दिन से चल रहा इंडिया मोबाइल कांग्रेस (IMC) 2026 शनिवार को संपन्न हो गया। 7 से 10 अक्टूबर तक चले इस आयोजन का यह 10वां संस्करण था।

इस बार चर्चा के केंद्र में एआई, 5जी, 6जी, सेमीकंडक्टर और साइबर सुरक्षा रहे।

8 अक्टूबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसका उद्घाटन किया।

उन्होंने बताया कि 2022 में 5जी शुरू होने के बाद से मोबाइल इंटरनेट की स्पीड करीब दस गुना बढ़ी है।

रिपोर्टों के मुताबिक मोबाइल डेटा की कीमत 2014 के लगभग 268 रुपये प्रति जीबी से घटकर अब करीब 8 रुपये रह गई है।

दूरसंचार विभाग और सेल्युलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया (COAI) के इस आयोजन में 100 से ज्यादा देशों के नीति-निर्माता, कंपनियां, स्टार्टअप और निवेशक जुटे।

इस बार भारत को जीएसएमए (GSMA) बोर्ड की बैठक की मेजबानी का मौका भी मिला।

संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने आयोजन से पहले कहा था कि भारत सेवा देने वाले देश से अब उत्पाद बनाने वाले देश की ओर बढ़ रहा है। उनके मुताबिक भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा टेलीकॉम बाजार है, जहां 1.2 अरब से ज्यादा मोबाइल कनेक्शन हैं। यही "सर्विस नेशन से प्रोडक्ट नेशन" वाली सोच इस बार के आयोजन का केंद्रीय संदेश बनी।

आम लोगों और छात्रों के लिए यह मेला खास रहा, क्योंकि विज़िटर और स्टूडेंट पास मुफ्त थे।

कारोबारी प्रतिनिधियों के लिए डेलीगेट पास 20,000 से 25,000 रुपये के बीच थे। आयोजकों के मुताबिक पिछले साल डेढ़ लाख से ज्यादा लोग पहुंचे थे, और इस बार भी इतने ही आगंतुकों और 300 से ज्यादा प्रदर्शकों की उम्मीद थी।

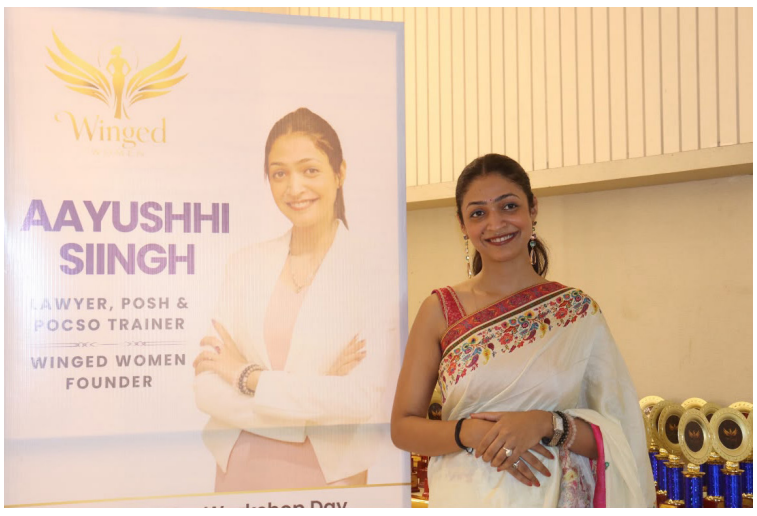
उद्योग जगत से भी इसी दिशा के संकेत मिले। एरिक्सन ने भारत में बने एंटीना यूरोप और दूसरे बाजारों में निर्यात करने की योजना बताई है।

असली सवाल अब यह है कि मंच से हुई घोषणाएं जमीन पर कितनी उतरती हैं।

6जी की तैयारी, स्वदेशी टेलीकॉम तकनीक और सेमीकंडक्टर में आत्मनिर्भरता के दावों की परीक्षा आने वाले महीनों में होगी।

फिलहाल, यशोभूमि के चार दिनों ने यह जरूर दिखाया कि भारत खुद को सिर्फ उपभोक्ता नहीं, बल्कि तकनीक के निर्माता के रूप में पेश करना चाहता है।

हौसलों की उड़ान: वकालत के गलियारों से 'मिसेज सेंट्रल इंडिया' के ताज और सफल उद्यमिता तक डॉ. आयुषी की दास्तान



● प्रकाश त्रिपाठी

भोपाल: जिंदगी जब हमारे बुने हुए सपनों का रास्ता बदल देती है, तो अक्सर इंसान निराश होकर हार मान लेता है। लेकिन कुछ लोग ऐसे होते हैं जो उन बदली हुई परिस्थितियों में भी अपने लिए नई राहें तराश लेते हैं। डॉ. आयुषी सिंह की कहानी भी एक ऐसी ही बेमिसाल दास्तान है।

एक वकील, कॉर्पोरेट ट्रेनर, उद्यमी और 'मिसेज सेंट्रल इंडिया 2024' का खिताब अपने नाम करने वाली डॉ. आयुषी का सफर यह साबित करता है कि हमारी कोई एक पेशेवर पहचान हमारे पूरे जीवन की सीमा तय नहीं कर सकती।

हाल ही में अपनी पीएचडी पूरी करने वाली डॉ. आयुषी ने जीवन के कई अनछुए पहलुओं को साझा किया, जो हर उस व्यक्ति के लिए एक प्रेरणा है जो जीवन में एक 'नई शुरुआत' करना चाहता है।

सपनों के टूटने से लेकर नई मंजिलों को फतह करने तक के इस बहुआयामी सफर को गहराई से समझने के लिए, 'देश दर्पण संवाद' के कार्यकारी संपादक प्रकाश त्रिपाठी ने डॉ. आयुषी सिंह से एक बेहद खास और प्रेरक बातचीत की।

प्रस्तुत हैं इस विशेष विमर्श के प्रमुख अंश, जहाँ कार्यकारी संपादक प्रकाश त्रिपाठी के सवालों पर डॉ. आयुषी ने अपने जीवन के पन्नों को पूरी बेबाकी से खोला:

1. संघर्ष और नई शुरुआत

जज बनना मेरा सपना था, जिसके लिए मैंने काफी मेहनत की थी। इसलिए स्वास्थ्य संबंधी चुनौतियों के कारण उस रास्ते से पीछे हटना भावनात्मक रूप से बेहद कठिन था। जब आप अपने भविष्य के किसी सपने में इतना समय और प्रयास लगाते हैं, तो दिशा बदलना अपने ही एक हिस्से को खोने जैसा महसूस हो सकता है।

लेकिन सीखते रहने और खुद को नए अवसर तलाशने की अनुमति देने से मेरा हौसला धीरे-धीरे लौटा। मैंने अपनी शिक्षा जारी रखी, कॉर्पोरेट एवं वित्तीय कानून में एलएल.एम. किया और हार्वर्ड विश्वविद्यालय से मानवाधिकार विकास का अध्ययन किया। साथ ही, योग, आर्ट थेरेपी और प्रशिक्षण जैसे क्षेत्रों को भी अपनाया।

इन अनुभवों ने मुझे अपने व्यक्तित्व के अलग-अलग पहलुओं को समझने में मदद की।

मुझे एहसास होने लगा कि समाज में योगदान देने के कई सार्थक रास्ते हैं। आज कानूनी जागरूकता और कॉर्पोरेट प्रशिक्षण के माध्यम से मैं लोगों को उनके अधिकार समझने, बेहतर संवाद करने और सुरक्षित वातावरण बनाने में मदद करती हूँ।

इस सफर ने मुझे सिखाया कि अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए भी उद्देश्यपूर्ण जीवन की ओर बढ़ा जा सकता है।

2. बहुमुखी प्रतिभा की धनी

'मिसेज सेंट्रल इंडिया 2024' बनने के सफर ने मुझे अपने सहज दायरे (Comfort Zone) से बाहर निकलने की चुनौती दी। कानून की पढ़ाई ने मुझे पूरी तैयारी करना, गंभीरता से विचार करना और अपनी बात स्पष्ट रूप से रखना सिखाया था। सौंदर्य प्रतियोगिता ने इन्हीं क्षमताओं को एक अलग मंच पर प्रस्तुत करने के साथ-साथ मेरे आत्मविश्वास, प्रस्तुति और मंच पर अपनी उपस्थिति को निखारने का अवसर दिया।

इन अलग-अलग रुचियों के बीच संतुलन बनाना चुनौतीपूर्ण था, लेकिन रोमांचक भी। मुझे यह जानकर खुशी हुई कि अपने पेशे के प्रति गंभीर रहते हुए भी मैं अपनी रचनात्मकता, व्यक्तित्व और फिटनेस के प्रति लगाव को अभिव्यक्त कर सकती हूँ।

यह खिताब जीतना मेरे लिए गर्व का क्षणथा, क्योंकि यह कुछ नया आज़माने के मेरे साहस का प्रतीक था। मैं चाहती हूँ कि मेरा सफर महिलाओं को अपनी रुचियाँ तलाशने के लिए प्रेरित करे।

हमारी एक पेशेवर पहचान हमारे पूरे जीवन की सीमा तय नहीं करती। हम हर पड़ाव पर सीख सकती हैं और आगे बढ़ सकती हैं।

3. समावेशी सोच और 'विंड वुमन' की पहल

'विंड वुमन' के पीछे मेरा उद्देश्य ऐसा मंच बनाना है, जहाँ लोग अपनी कहानियाँ साझा कर सकें, महसूस करें कि उनकी बात सुनी जा रही है और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हों।

महिलाओं के अनुभव इस पहल के केंद्र में हैं। साथ ही, पुरुषों और बच्चों की भागीदारी परिवारों और समुदायों में आपसी समझ बढ़ाने में मदद करती है।

POSH (कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न की रोकथाम) और POCSO (लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम) से जुड़े अपने प्रशिक्षण के माध्यम से मैं कानूनी जागरूकता को सरल और रोज़मर्रा के जीवन से जुड़ा बनाना चाहती हूँ।

मेरा मानना है कि जागरूकता तब सार्थक होती है, जब उसका असर हमारे व्यवहार पर दिखाई दे—हम दूसरों की सीमाओं का सम्मान कैसे करते हैं, किसी की असहजता पर कैसी प्रतिक्रिया देते हैं और किसी के साथ हुए दुर्व्यवहार की बात कितनी संवेदनशीलता से सुनते हैं।

कहानियों, संवाद और प्रशिक्षण के माध्यम से मैं सहानुभूति और जिम्मेदारी की भावना बढ़ाना चाहती हूँ। सुरक्षित समाज बनाने के लिए हम सभी की भागीदारी ज़रूरी है।

4. उद्यमिता और असफलता से मिली सीख

अपने पति के साथ विमेंस ब्रांड 'EAKIA' की शुरुआत ने मुझे एक अलग तरह की सीख दी। उद्यमिता में निर्णय लेना, ग्राहकों की जरूरतों को समझना, संसाधनों का प्रबंधन करना और परिणाम आने में समय लगे तो धैर्य बनाए रखना आवश्यक है।

मैंने ईमानदारी से यह देखना सीखा है कि क्या काम कर रहा है और कहाँ सुधार की जरूरत है। असफलता निराश कर सकती है, लेकिन वह यह भी समझाती है कि हमारी योजना, समझ या काम करने के तरीके में क्या बदलाव चाहिए।

मैं उससे मिली सीख को आगे लेकर चलने की कोशिश करती हूँ, बिना उस निराशा को अपनी योग्यता का मापदंड बनाए। जो महिलाएँ अपना व्यवसाय शुरू करना चाहती हैं, उनसे मैं कहूँगी कि स्पष्ट उद्देश्य और ऐसी योजना के साथ शुरुआत करें, जिसे आप संभाल सकें।

अपने ग्राहकों को समझें, आर्थिक प्रबंधन पर ध्यान दें, मार्गदर्शन लें और सुझावों के प्रति खुली रहें। आत्मविश्वास अनुभव से बढ़ता है। पूरी तरह तैयार महसूस करने का इंतज़ार करने के बजाय खुद को शुरुआत करने, सीखने और बेहतर बनने का अवसर दें।

5. भविष्य के लक्ष्य और मेरा संदेश

पीएचडी पूरी करना मेरे जीवन का एक महत्वपूर्ण पड़ाव है। महिला बंदियों के मानवाधिकारों पर किए गए मेरे शोध ने अकादमिक कार्य को कानूनी जागरूकता और सामाजिक सरोकारों से जोड़ने की मेरी रुचि को और मजबूत किया है।

आगे मैं अध्यापन, शोध और लेखन के माध्यम से योगदान देना चाहती हूँ। साथ ही, POSH, POCSO, भावनात्मक बुद्धिमत्ता और सॉफ्ट स्किल्स के क्षेत्र में अपने प्रशिक्षण कार्य का विस्तार करना चाहती हूँ। मेरी इच्छा है कि 'विंड वुमन' सार्थक संवाद और जागरूकता के मंच के रूप में आगे बढ़े।

कठिन परिस्थितियों से गुजर रही महिलाओं से मैं कहना चाहूँगी कि अपना अगला कदम तलाशते समय अपने प्रति नरमी रखें। जब जीवन हमारी योजनाएँ बदल देता है, तो निराश होना स्वाभाविक है। खुद को समय दें, जरूरत पड़ने पर सहयोग लें और अपनी छोटी-छोटी प्रगति को भी पहचानें। आपको सब कुछ एक साथ हासिल करने की जरूरत नहीं है। मेरे अपने सफर में कई मोड़ आए हैं और हर मोड़ ने मुझे खुद को बेहतर समझने में मदद की है। अपने जीवन में एक नई शुरुआत के लिए हमेशा जगह बनाए रखें।

विविध संवाद:

70 की उम्र में भी 'फिटनेस' का जज्बा: पूर्व नौसेना अधिकारी महेंद्र सिंह की प्रेरक कहानी



● प्रकाश त्रिपाठी

इंदौर: उम्र केवल एक संख्या है, और इस बात को पूरी तरह से सच साबित कर रहे हैं पूर्व नौसेना अधिकारी महेंद्र सिंह। 70 वर्ष की आयु में भी वे एक अत्यंत स्वस्थ और सक्रिय जीवन व्यतीत कर रहे हैं।

उनकी देशभक्ति, अनुशासन और स्वास्थ्य के प्रति समर्पण की कहानी आज की युवा पीढ़ी के लिए एक बड़ी मिसाल है।

देश सेवा और नौसेना का गौरवशाली सफर

महेंद्र सिंह जी ने वर्ष 1977-78 में भारतीय नौसेना में अपनी सेवाएं देना शुरू किया था। उनकी बेसिक ट्रेनिंग भा. नौ. पो. (INS) मांडवी, गोवा में संपन्न हुई थी। खेलों के प्रति उनका विशेष लगाव शुरू से ही रहा। इसी के चलते विभिन्न ट्रेनिंग पूरी करने के बाद उन्हें भा. नौ. पो. आंग्रे में वेटलिफ्टिंग टीम के लिए चुना गया था।

अपने शानदार करियर में उन्होंने भारतीय नौसेना के गौरव, 'विक्रांत' जहाज पर भी अपनी अहम सेवाएं दीं। देश के अलग-अलग हिस्सों जैसे मुंबई, अंडमान निकोबार और दिल्ली में अपनी पोस्टिंग के दौरान उन्होंने शानदार कार्य किया।

उनका आखिरी शिप भा. नौ. पो. गोदावरी (मुंबई) था, जिसके बाद वर्ष 1993 में वे भारतीय नौसेना से पेटी ऑफिसर के पद से पूरे सम्मान के साथ सेवानिवृत्त हुए।

शिक्षा क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान

सेना से रिटायर होने के बाद भी उनका सफर थमा नहीं और उन्होंने अपनी दूसरी पारी की शुरुआत प्राइवेट सेक्टर में कार्य करते हुए की। इसके बाद, वर्ष 1999 से 2017 तक उन्होंने मानव संसाधन विकास मंत्रालय के अंतर्गत कार्य करने वाली प्रतिष्ठित संस्था 'नवोदय विद्यालय समिति' में अपनी अहम सेवाएं दीं।

'वेलनेस कोच' के रूप में नई राह

खेलकूद और फिटनेस से अपने पुराने जुड़ाव को कायम रखते हुए, महेंद्र सिंह जी आज समाज को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने का काम कर रहे हैं। वर्तमान में वे खुद को पूरी तरह से स्वस्थ रखते हुए एक 'वेलनेस कोच' के रूप में कार्य कर रहे हैं।

70 साल की उम्र में उनका यह सक्रिय और स्वस्थ जीवन हर उस व्यक्ति के लिए एक बड़ी प्रेरणा है जो उम्र का बहाना बनाकर अपनी सेहत को नजरअंदाज कर देता है।

देश दर्पण संवाद | साप्ताहिक हिंदी समाचार पत्र | पंजीयन संख्या : MPHIN/26/A6588 प्रकाशक : असीत पाठक, 25, गोयल ग्रीन कॉलोनी, निपानिया, पोस्ट ऑफिस–विजय नगर, इंदौर, मध्य प्रदेश–452010 की ओर से स्वामी असीत पाठक के द्वारा प्रकाशित। किसी भी विवाद का न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
संपादक : असीत पाठक। मुद्रक : पूनम विश्वकर्मा, विश्वकर्मा प्रिंटिंग प्रेस, H. No. 51/1, Village–Padri, Post Office–Gondwali, Block & Tehsil–Waidhan, Singrauli, Madhya Pradesh–486892 से मुद्रित। प्रकाशन स्थल : इंदौर, मध्य प्रदेश।